पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

महामना भारत रत्न सम्मान समारोह

मदन मोहन मालवीय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व पारस जैसा है--राज्यपाल

महामना के आदर्शों को स्वीकारने की जरूरत है--गृहमंत्री

लखनऊः 24 मई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज लोक निर्माण विभाग के विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में महामना मालवीय मिशन द्वारा आयोजित महामना भारत रत्न सम्मान समारोह में कहा कि महामना मदन मोहन मालवीय जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व पारस जैसा है, जिसके सम्पर्क में जो आये वह सोना बन जाता है। शिक्षा के माध्यम से मानव जीवन का सर्वांगीण विकास करना मालवीय जी का मूल मंत्र था। महामना ने भिक्षा का कार्य समाज के निर्माण के लिये किया था। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय अकेला विश्वविद्यालय है जिससे जुड़े चार महानुभावों पूर्व राष्ट्रपति, डा0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डा0 भगवान दास, विख्यात वैज्ञानिक डा0 सी0एन0 राव तथा महामना मदन मोहन मालवीय को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से अब तक सम्मानित किया जा चुका है। राज्यपाल ने देश के प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री, श्री राजनाथ सिंह द्वारा स्वर्गीय महामना मदन मोहन मालवीय एवं पूर्व प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी बाजपेयी को भारत रत्न दिये जाने हेतु बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने देशवासियों की अभिलाषा को पूर्ण कर जनभावनाओं का मान-सम्मान बढ़ाया है।

श्री नाईक ने कहा कि महामना मदन मोहन मालवीय बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे, वे एक प्रखर राजनेता, श्रेष्ठ पत्रकार, समाज सुधारक और हिन्दी प्रेमी व्यक्ति थे। उनका आदर्श जीवन सबके लिये प्रेरणादायक है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पुरा छात्रों का विश्वविद्यालय के प्रति दायित्व है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एशिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है, जहां 35000 विद्यार्थी हैं और एक हजार बेड का अस्पताल है। वहां से निकले छात्र वटवृक्ष बनें। उन्होंने कहा कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की प्रसिद्धि गुणवत्तायुक्त शिक्षा के आधार पर हुई है।

समारोह को सम्बोधित करते हुए भारत के गृहमंत्री, श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि महामना मदन मोहन मालवीय के कृतित्व व व्यक्तित्व से देश का हर जागरूक नागरिक परिचत है। भारत रत्न वास्तव में उन जीवन मूल्यों का सम्मान है जिन्हें महामना ने जिया है। महामना ने आध्यात्मिक भाव से काम किया और देश को विश्व गुरू बनाने का चिन्तन करते हुए आधुनिक विज्ञान एवं पारम्परिक ज्ञान के समन्वय से नई दृष्टि दी। वे छुआछूत के खिलाफ थे। सहनशीलता मनुष्य को बड़ा बनाती है। ज्ञान जब संस्कारों से जुड़ता है तो समाज के लिये कल्याणकारी हो सकता है। उन्होंने कहा कि महामना के आदर्शों को स्वीकारने की जरूरत है।

कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रो0 जी0सी0 त्रिपाठी ने महामना के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कुछ लोगों का व्यक्तित्व इतना बड़ा होता है कि जिस सम्मान को स्वीकार करते हैं, वह स्वयं बड़ा हो जाता है। महामना एक समाज सुधारक, शिक्षाविद् एवं महान चिन्तक थे। उन्होंने कहा कि महामना ने भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों को प्रतिष्ठित करने का कार्य किया।

पूर्व सांसद, श्री लालजी टण्डन ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में सम्मान देने की प्राचीन परम्परा है। देश में लोकमान्य, महात्मा और महामना जैसी पदवी देकर सम्मान प्रकट किया गया है। भारत को विकसित करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि महामना मदन मोहन मालवीय और अटल जी को सम्मान मिलना वास्तव में गौरव की बात है।

कार्यक्रम में लखनऊ के महापौर, डा0 दिनेश शर्मा व महामना मालवीय मिशन के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में विशिष्टजन उपस्थित थे।

महामना 'भारत रत्न' सम्मान समारोह
24 मई 2015
महामना मालवीय मिशन, लखनऊ